Naidunia (Indore), 29th November 2024, Page-04

इनोवेशन : आइआइटी इंदौर व सन लाइफ ग्लोबल साल्यूशंस में अनुबंध

इंश्योरेंस क्लेम सेटलमेंट को आसान और जोखिम कम करने में एआइ की लेंगे मदद

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर और सन लाइफ ग्लोबल सॉल्यूशंस (एसएलजीएस) के बीच अनुबंध किया गया है। इसका उद्देश्य बीमा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देना है। यह साझेदारी विशेष रूप से जोखिम मूल्यांकन, , क्लेम सेटलमेंट और ग्राहक संतुष्टि में सुधार के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), मशीन लर्निंग (एमएल), डेटा एनालिटिक्स और जनरेटिव एआई जैसी नई पीढ़ी की तकनीकों के उपयोग पर केंद्रित होगी।

दोनों संस्थान भविष्य में हैकथान और विचार-विमर्श चुनौतियों का आयोजन करेंगे। न केवल तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहित करना है, बल्कि दोनों संस्थानों के बीच सहयोग को मजबूत करना भी है, ताकि नई तकनीकी दिशा में कदम बढ़ा सकें। वैसे उन्नत तकनीकों का उपयोग कर प्रक्रियाओं को स्वचालित और तेज किया जाएगा। ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे। यह अनुबंध दोनों संस्थान मिलकर संयुक्त अनुसंधान पहल, प्रौद्योगिकी स्थानांतरण और भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम को समर्थन देंगे।

आइआइटी इंदौर व सन लाइफ ग्लोबल साल्यूशंस के मौजूद पदाधिकारी। ● सौजन्य

नई तकनीकी से चुनौतियों का समाधान करेंगे

आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि मुख्य उद्देश्य जीसीसी (ग्लोबल कैपेबलिटी सेंटर) क्षेत्र में नई तकनीकी चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक सक्षम कार्यबल तैयार करना है। यह साझेदारी अकादमिक और उद्योग के बीच की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगी। अकादमिक उत्कृष्टता को सन लाइफ की विशेषज्ञता के साथ जोड़ेंगे।

बीमा उद्योग की सेवाओं को करेंगे विस्तार : सन लाइफ का उद्देश्य उत्पादकता को बढ़ावा देना और सेवा वितरण को बेहतर बनाना है, जिसमें विशेष रूप से बीमा उद्योग पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। नवीनतम तकनीकी समाधानों को अपनाना है। बीमा उद्योग में जोखिम मूल्यांकन, क्लेम सेटलमेंट और ग्राहक संतुष्टि के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार लाएगी। प्रबंध निदेशक तरुण सरीन ने बताया कि आइआइटी इंदौर के साथ मिलकर काम करेंगे।